



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 606]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 17, 2003/अग्रहायण 26, 1925

No. 606]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 17, 2003/AGRAHAYANA 26, 1925

पोत परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 2003

सा.का.नि. 951(अ).—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उप-धारा (6) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा मुख्य चार्टरिंग नियंत्रक, पोत परिवहन मंत्रालय को निदेशक (पत्तन विकास) के स्थान पर चेन्नई पत्तन के न्यासी बोर्ड में 31-3-2004 तक न्यासी के रूप में नियुक्त करती है तथा पोत परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) भारत सरकार की अधिसूचना सा.का.नि. 315(अ), दिनांक 1 मई, 2002 में निम्नलिखित संशोधन करती है।

2. उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 1 “निदेशक (पत्तन विकास)” शब्दों के स्थान पर “मुख्य चार्टरिंग नियंत्रक” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाना है।

[फा. सं. पीटी-18011/9/2001-पीटी]

आर. के. जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th December, 2003

G.S.R. 951(E).—In exercise of powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (6) of Section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints Chief Controller of Chartering, Ministry of Shipping on the Board of Trustees for the port of Chennai upto 31-3-2004 vice Director (Port Development) as a Trustee and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Shipping (Ports Wing), G.S.R. No. 315(E) dated 1st May, 2002.

2. In the said notification, against serial number 1, for the words “Director (Port Development)” the words “Chief Controller of Chartering” shall be substituted.

[F. No. PT-18011/9/2001-PT]

R. K. JAIN, Jt. Secy.